अनाथों का जन्मदिन

एरिक वाल्टर्स

चित्र: यूजीन फर्नांडीस

मुतानो उत्साहित है. वो अपने काम के बारे में सोचती है, पर उससे ज़्यादा वो सोचती है कि आज का दिन क्या-क्या आश्चर्य लाएगा, क्योंकि आज अनाथालय में कोई सामान्य दिन नहीं है. मुतानो जैसे कई अनाथों को यह नहीं पता होता है कि उनका जन्म किस दिन हुआ था. इसलिए उन्होंने पहले कभी भी अपना जन्मदिन नहीं मनाया था. इसलिए, हर साल, अनाथालय विशेष रूप से उनके लिए एक “विशेष जन्मदिन” मनाकर वहां आने वाले नए बच्चों का सम्मान करता है. उस दिन के बाद से, अनाथों के पास एक जन्म दिन होगा जो उनका अपना दिन होगा - जश्न मनाने का दिन, मौज-मस्ती करने का दिन, एक यादगार दिन. और वो दिन आज है!

यह "द क्रिएशन ऑफ़ होप" द्वारा चलाए जा रहे केन्या के एक अनाथालय में असली बच्चों पर आधारित कहानी है. यह कहानी दिखाती है जन्मदिन जैसी सरल चीज़ अनाथ बच्चों लिए कितना मायने रख सकती है.
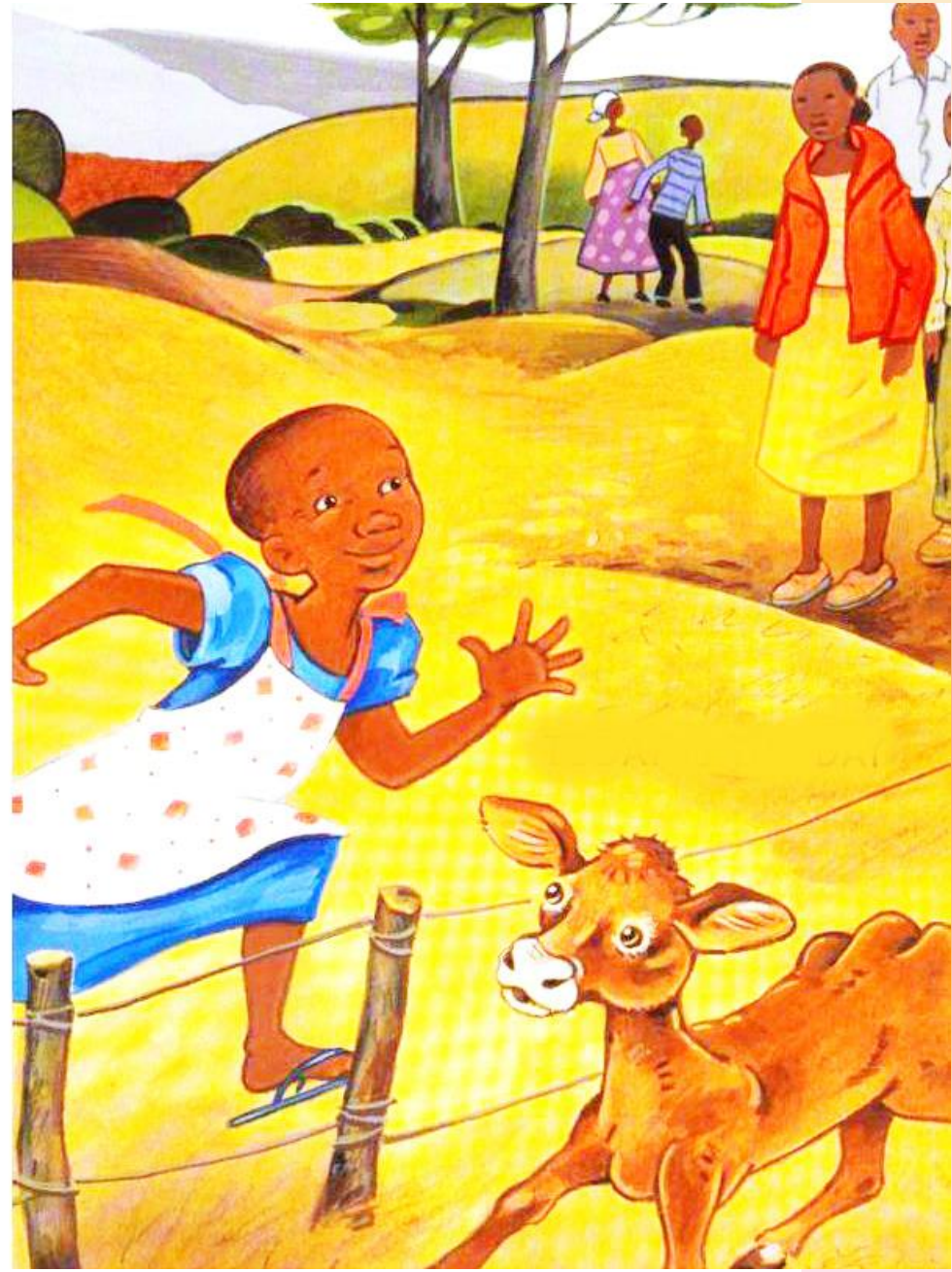
अनाथों का जन्मदिन

एरिक वाल्टर्स

चित्र: यूजीन फर्नांडीस
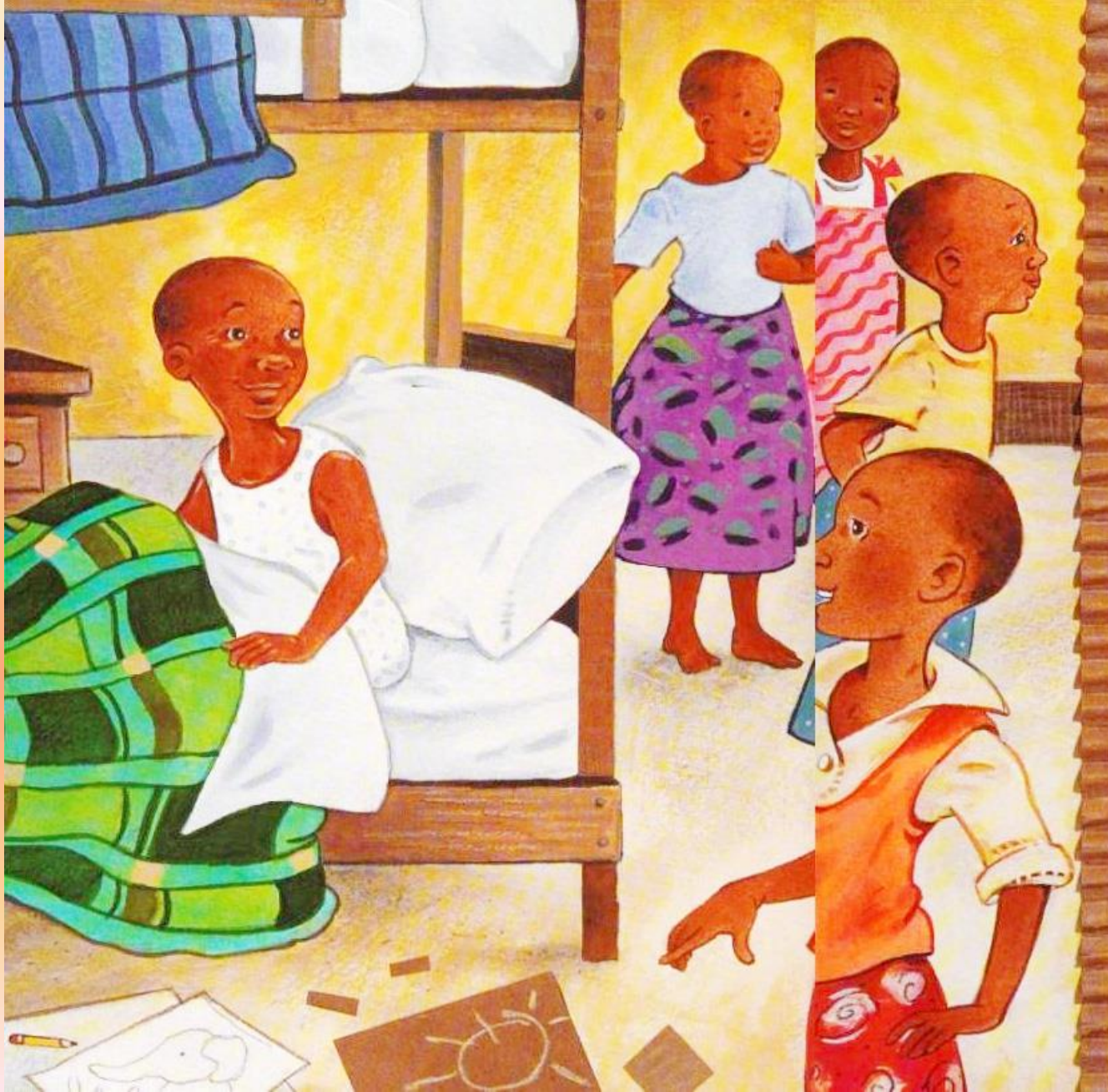
मुतानो की आँखें खुल गईं. वो लगभग एक साल से इंतज़ार कर रही थी, और आखिरकार वो दिन आ ही गया! वो इतनी उत्साहित थी कि वो चिल्लाना चाहती थी, लेकिन वो अभी सो रही दूसरी लड़कियों को जगाना नहीं चाहती थी.

उसे चिंता करने की जरूरत नहीं थी. उनमें से अधिकांश लड़कियां भी उसकी तरह ही जल्दी जग गई थीं. वे सभी जानती थीं कि आज का दिन बहुत विशेष था.

मुतानो नाम का अर्थ "खुश" होता है. अपने माता-पिता की मृत्यु के बावजूद, और बचपन बड़ी गरीबी में गुज़ारने के बावजूद, उसने हमेशा अपने नाम की तरह "खुश" रहने की कोशिश की. लेकिन आज सुबह सभी बच्चे खुश थे. उनकी मुस्कान चौड़ी थी, हँसी तेज थी और आवाजें बुलंद थीं.
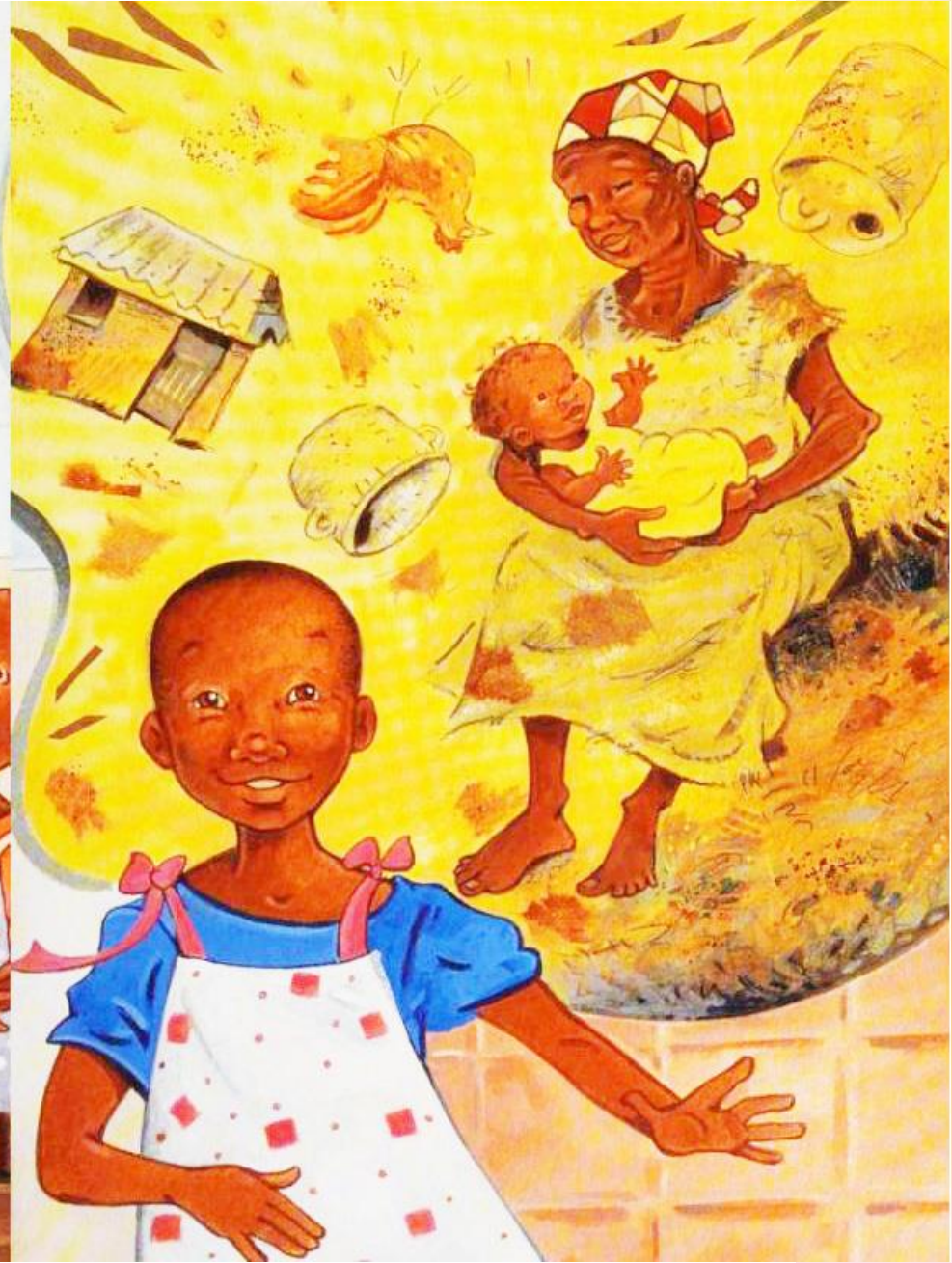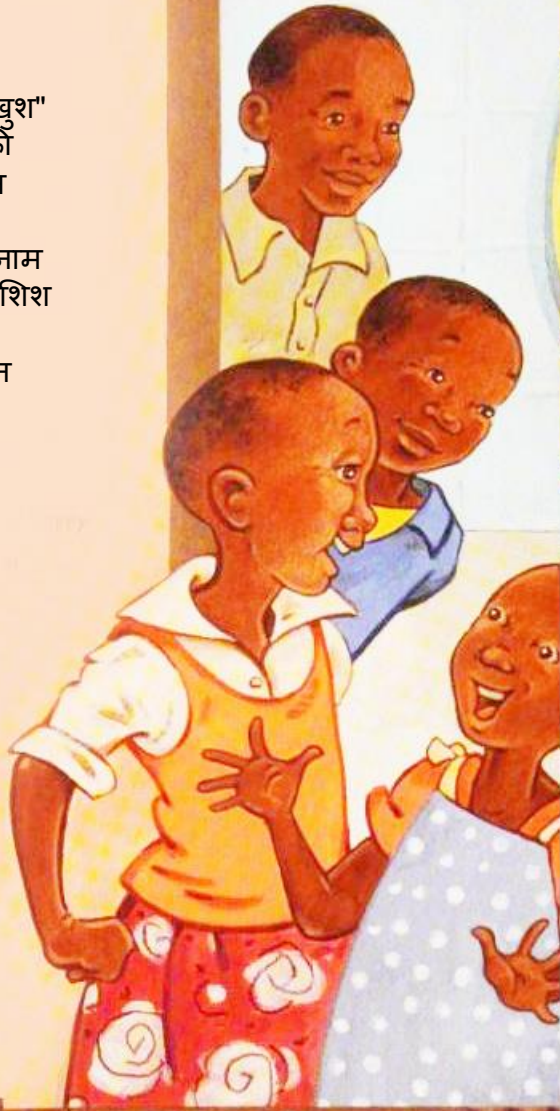
नाश्ते के बाद, मुतानो और उसकी दोस्त कोनीनी ने, स्टोर-रूम में झाँकने की कोशिश की. आधे खुले दरवाजे के पीछे चावल और मक्का और बीन्स के बोरे थे. लेकिन आज खाने में कुछ विशेष जरूर होगा.

कई बच्चे अनाथालय में वर्षों से रह रहे थे, इसलिए वे सभी उन अद्भुत चीजों के बारे में जानते थे. मुतानो और कोनीनी जैसे नए बच्चों के लिए, यह पहला अनुभव होगा. अन्य बच्चों ने उन्हें स्टोर-रूम में रखे आश्चर्य के बारे में बताया था, लेकिन वे उन्हें खुद देखने के लिए उत्साहित थे.

भले ही आज का दिन विशेष था, फिर भी कई काम बाकी थे. कपड़े धोने थे, बकरियों और मुर्गियों को खिलाना था, लकड़ी काटनी थी और खेतों में से सब्ज़ियां तोड़नी थीं. सभी बच्चे अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार मदद कर रहे थे.

मुतानो ने जल्दी से यार्ड में झाड़ू लगाना ख़त्म की ताकि वह अपना पसंदीदा काम कर सके - अनाथालय की कुतिया को खाना खिलाना. उसका नाम रफीकी था, जिसका मतलब स्वाहिली में 'दोस्त' था.

कुतिया देखने में डरावनी लगती थी, लेकिन वो बच्चों के साथ बहुत कोमल थी. आमतौर पर, रफ़ीकी रात में चौकीदार की कैंपस की रखवाली करने में मदद करने के लिए बाहर जाती थी. लेकिन अब उसके पास एक और महत्वपूर्ण काम था - वो कई पिल्लों की माँ बन गई थी.

"हेलो, रफ़ीकी," मुतानो ने कुतिया के लिए एक खाने का कटोरा रखते हुए कहा. रफ़ीकी ने अपनी पूंछ हिलाई. कटोरा, दलिए और लोगों की झूठन से भरा हुआ था. कटोरे में सबसे नीचे सॉसेज (मांस) का एक छोटा टुकड़ा था जिसे मुतानो ने अपने नाश्ते से बचाया था. वो उस ख़ास दिन के लिए एक विशेष भोजन था.
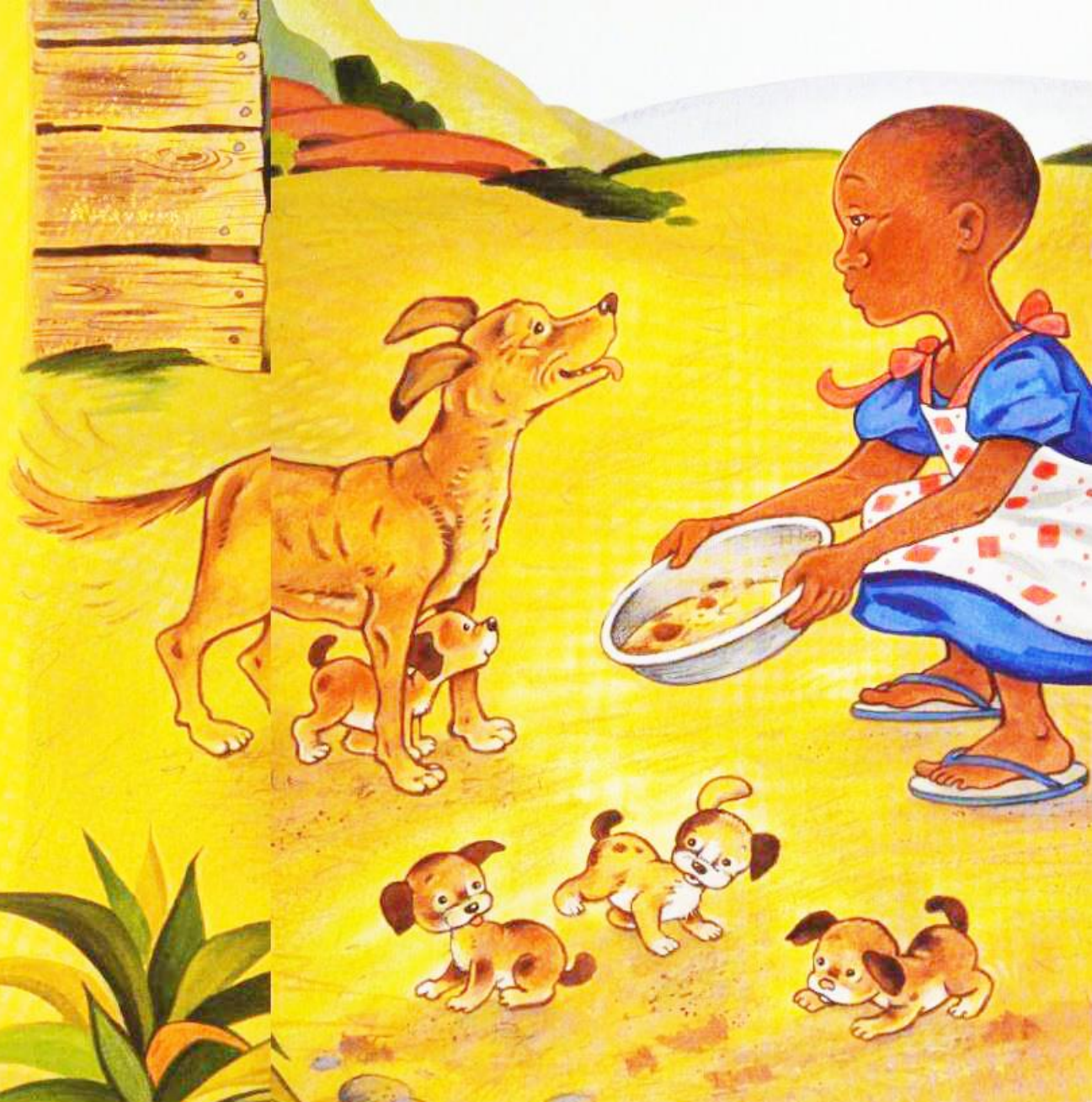
मुतानो ने उनमें से एक पिल्ले को उठाया. "रफ़ीकी, तुम्हारे बच्चे जून के इक्कीसवें दिन पैदा हुए थे. अब वे इक्कीस दिन के हो गए हैं."

तभी मुतानो ने देखा कि लोग कॅम्पस में आ रहे थे. यानी अब समय करीब आ रहा था! मुतानो उत्तेजना से कांप उठी. उसने धीरे से पिल्ले को रफ़ीकी के पास रख दिया.

"अपने बच्चों की अच्छी देखभाल करना," उसने कहा, और फिर मुतानो लोगों का अभिवादन करने गई.
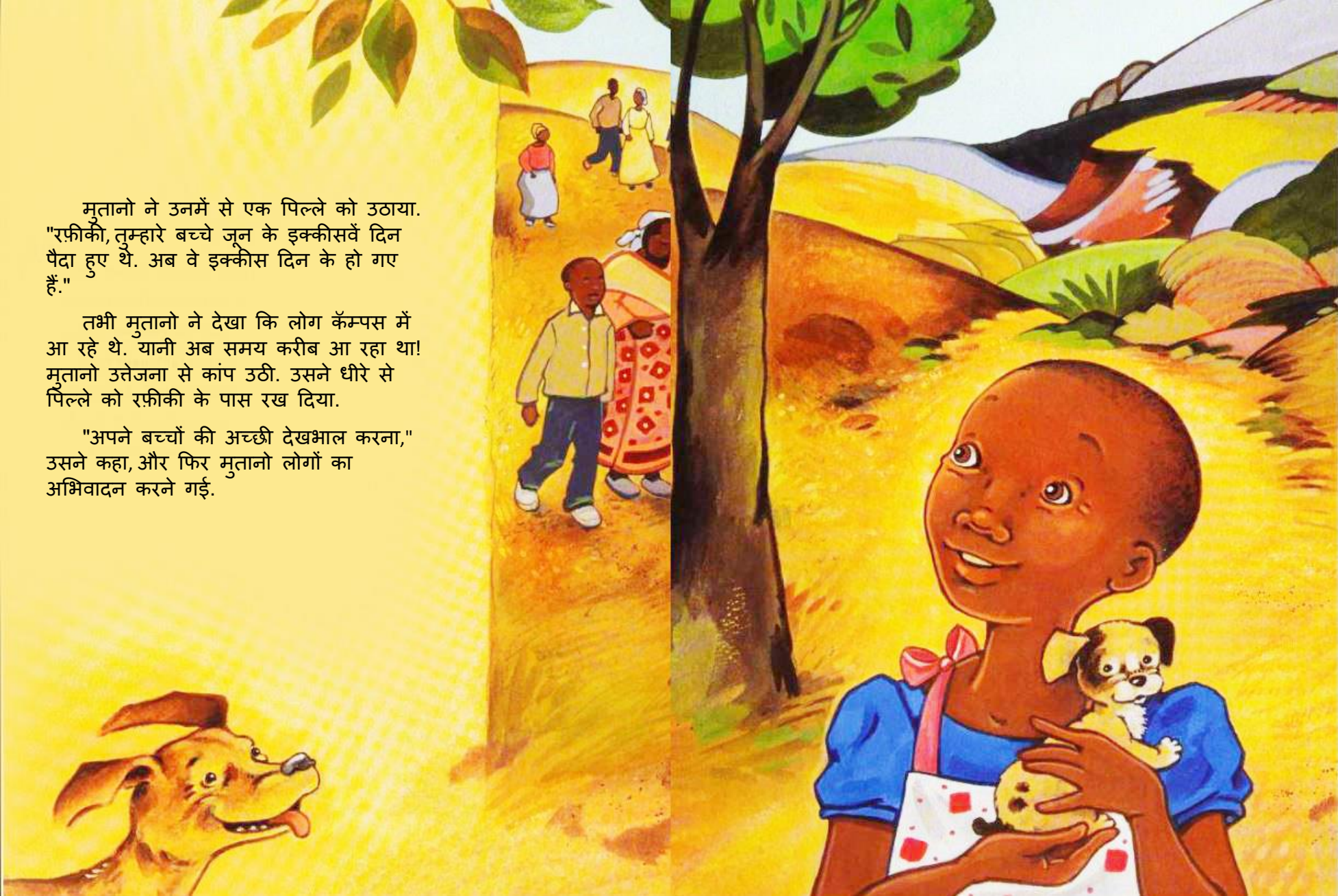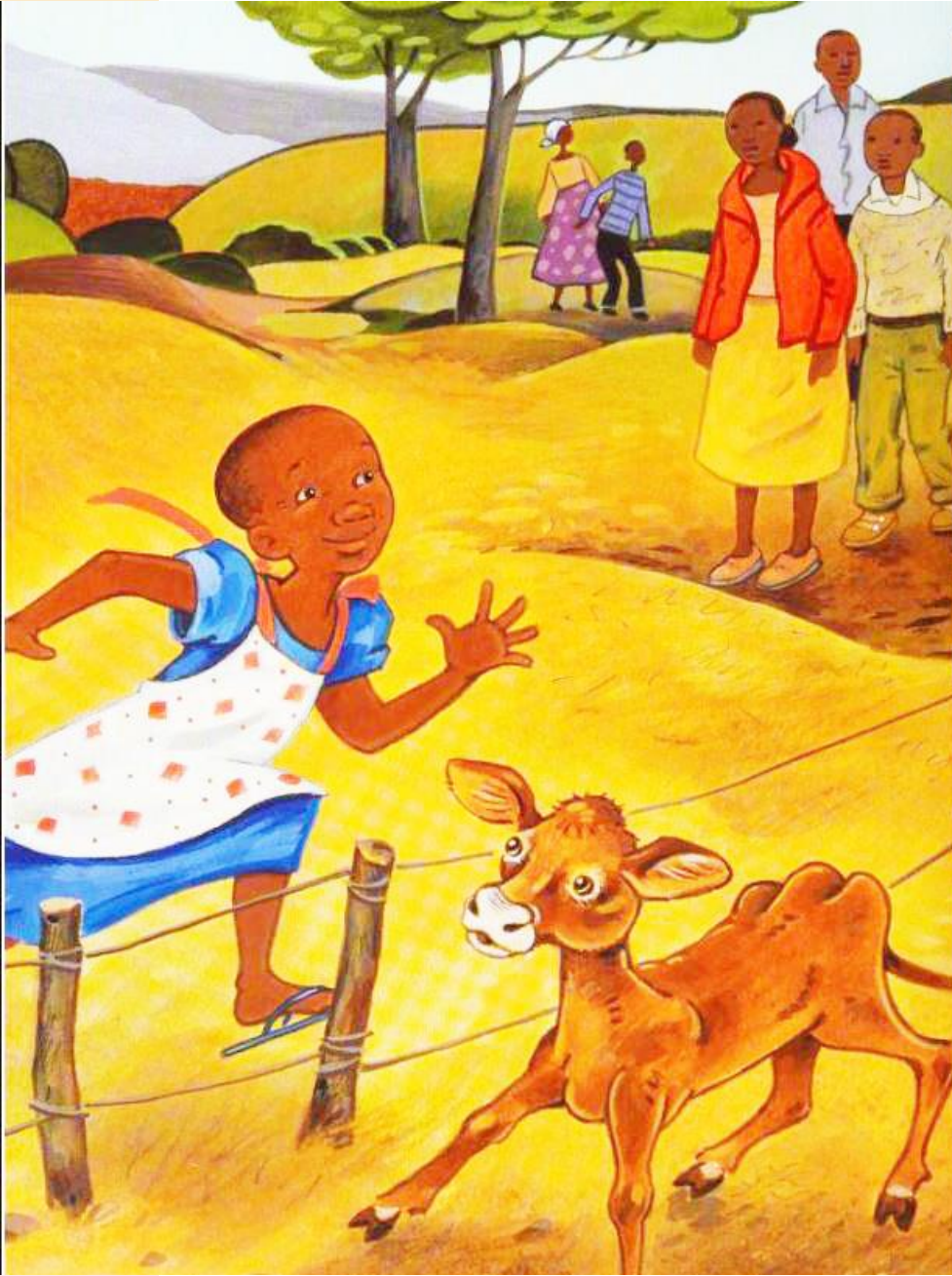
उस दिन आने वाले लोग अनाथालय में रहने वाले बच्चों के रिश्तेदार थे. वे बच्चों के दादा-दादी. आंटियाँ और अंकल और बड़े भाई-बहन थे.

मुतानो की दादी भी उनमें होंगी. जब मुतानो के माता-पिता की मृत्यु हुई, तब उसकी दादी ने ही उसकी परवरिश और देखभाल की. अब उसकी दादी बहुत बूढ़ी और कमजोर थीं और वो मुतानो की देखभाल नहीं कर सकती थीं. लेकिन वो फिर भी अपनी पोती को जितनी बार संभव होता, देखने आती थीं. मुतानो अपनी दादी को देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती थी.

वो जल्दी से नए बच्चे के बछड़े को पार करके गई.

"हेलो, छुटकी!" दादी चिल्लाईं. "तुम्हारा जन्म जून के छठे दिन हुआ था. मुझे अच्छी तरह याद है, भले ही तुम्हें न हो."

मुतानो नई बकरियों और चूज़ों के पास से निकल कर भागी. अनाथालय में हमेशा नए पशु बच्चे होते थे - चूज़े और बछड़े, बिल्ली के बच्चे और पिल्ले, और भेड़ के बच्चे.

अंत में, मुतानो अपनी से दादी मिली!

"अरे! मेरी बच्ची तुम कैसी हो?" उसकी दादी ने पूछा.

मुतानो ने अपनी बाँहों को, दादी के चारों ओर लपेट लिया. "मैं इससे अधिक और खुश नहीं हो सकती," उसने दादी से कहा.

उन दोनों ने तब तक बात की, जब तक मुतानो का अन्य बच्चों के साथ जुड़ने का समय नहीं हो गया.

अनाथालय की मेट्रन ने अतिथियों का स्वागत किया.

सब का अभिवादन किया गया. संदेश और समाचार साझा किए गए, और धन्यवाद दिया गया. बच्चे हिलते-डुलते रहे क्योंकि वे बहुत उत्साहित थे.

फिर वो कार्यक्रम शुरू हुआ जिसका सभी बच्चों को बेसब्री से इंतजार था.
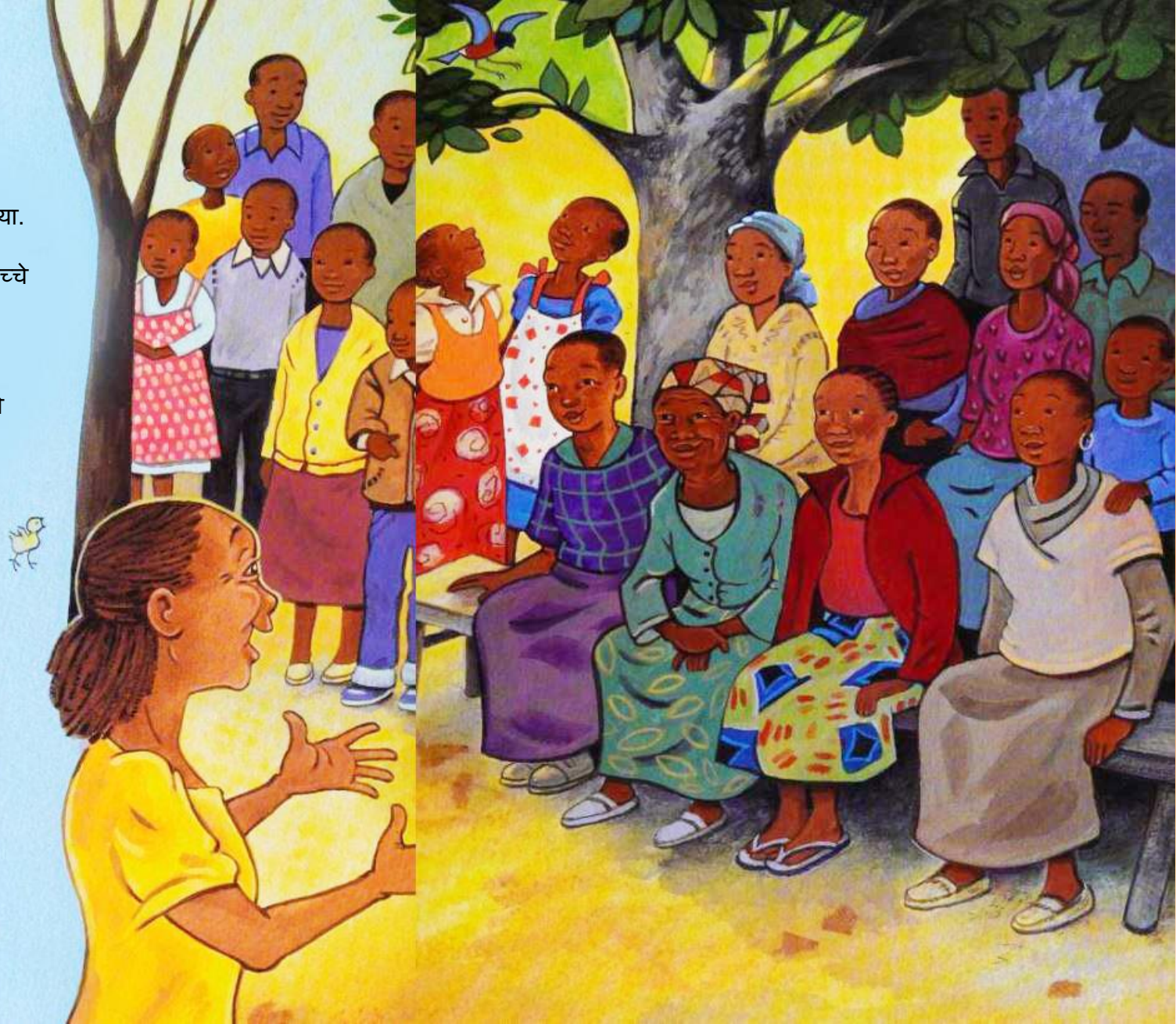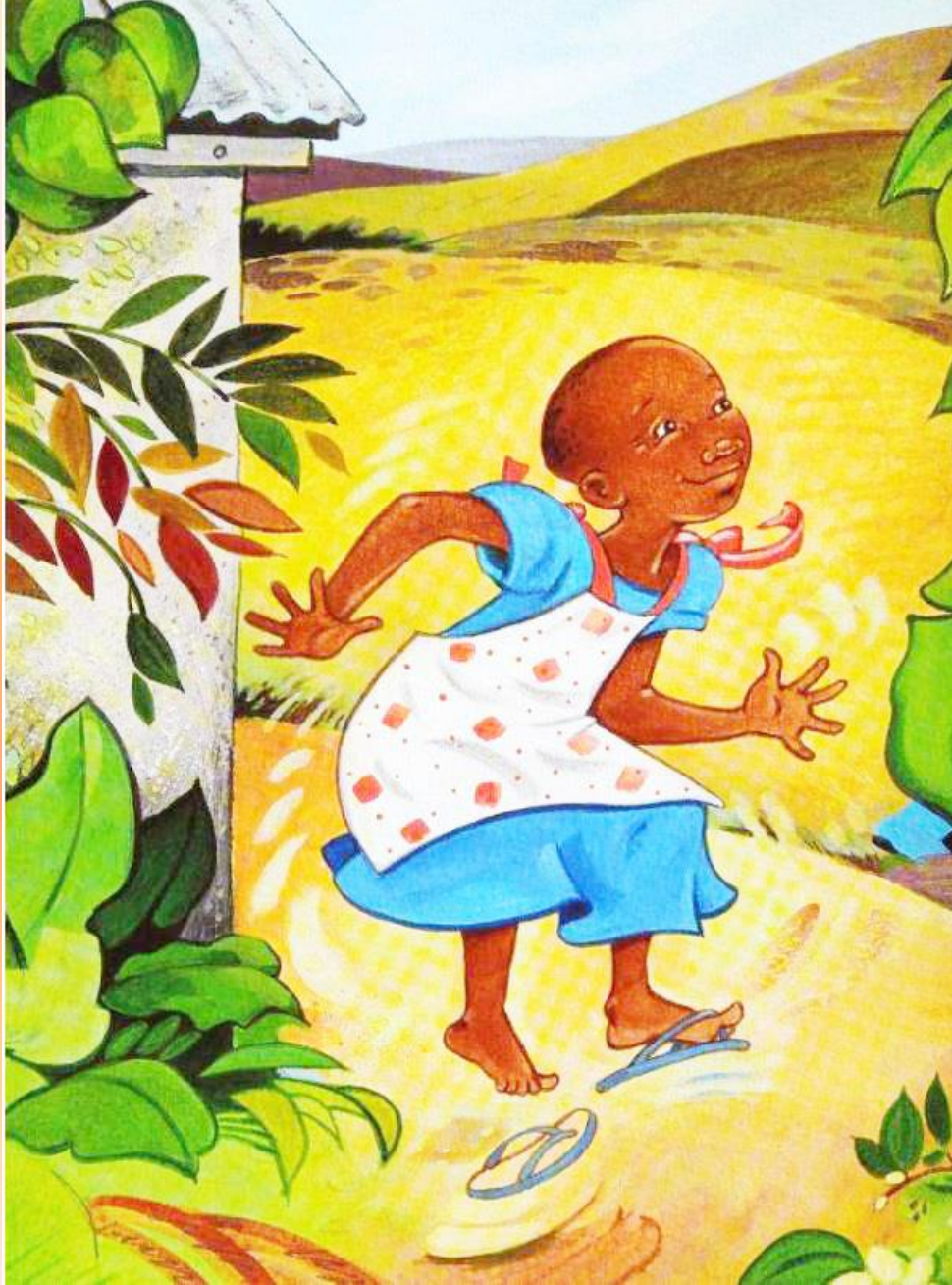
एक-एक करके बच्चों के नाम पुकारे गए. फिर बच्चे, कपड़े का बैग, और रंग-बिरंगी टोपी लेने के लिए आगे आए. जब बच्चों ने अपने बैग से सामान निकाला, मुतानो ने देखा कि उनमें मोटरकार और गुड़िया, रुई के भरे जानवर, शर्ट, गेंद और कूदने वाली रस्सी, पेंसिल, नोटबुक, टूथब्रश और कैंडी आदि थे.

कुल मिलाकर एक सौ पंद्रह बच्चे थे. धैर्य रखने की कोशिश में मुतानो, अपने एक पैर से दूसरे पैर पर थिरकती रही. लेकिन जैसे-जैसे और नाम पुकारे गए मुतानो के लिए और भी मुश्किल होता गया.

"मुतानो!" अंत में मेट्रन ने बुलाया. मुतानो कूद कर आगे गई. मैट्रन ने उसके सिर पर टोपी रखी और उसे हाथ में एक बैग दिया जो काफी भारी था! मुतानो अपने बैग में रखे उपहार देखने को उत्सुक थी - लेकिन वो वास्तव में कुछ और चाहती थी. असल में वो जो चाहती थी वो अभी आना बाकी था.

सभी बच्चे उपहार प्राप्त करने के बाद, एक बड़ी मेज के सामने एकत्र हुए जिस पर पंद्रह केक रखे थे.

मेट्रन ने सबको चुप करने के लिए अपना हाथ उठाया. जब सब शांत हो गए तब उन्होंने कहा, "हर साल हम अनाथालय के सभी बच्चों का जन्मदिन मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं. आज वही दिन है. आप में से कुछ को अपने जन्म की तारीख पता होगी पर कुछ बच्चे वो नहीं जानते होंगे. जो नहीं जानते हैं उनके लिए आज और हमेशा के लिए जुलाई बारह अब आधिकारिक तौर पर उनका जन्मदिन होगा!"

सभी ने देर तक तालियां बजाईं, हूटिंग की और हंसे.

"चलो अब हम सब मिलकर गाते हैं!" मेट्रन ने कहा. और फिर उन्होंने गाना शुरू किया.

यह वही था जिसका मुतानो इंतजार कर रही थी. वो भी गाने में शामिल हुई. उसने मुस्कुराते हुए अन्य सभी की तुलना में तेज आवाज़ में गाय.

"मुझे जन्मदिन मुबारक हो,

मुझे जन्मदिन मुबारक हो,

जन्मदिन मुबारक हो, प्रिय,

मुझे जन्मदिन मुबारक हो!"

वो दिन उपहारों, केक और एक चमकदार टोपी के बारे में था, लेकिन वो मुतानो के लिए उससे कहीं अधिक था.

आज उसे पहली बार, पता चला कि दुनिया में उसका आना भुलाया नहीं गया था, बल्कि उसका जन्मदिन, उस खुशी के उत्सव का कारण था. आज का दिन उसके लिए किसी भी दिन से ज्यादा मायने रखता था. आज का दिन मुतानो का दिन था - उसका जन्मदिन!

मुझे जन्मदिन मुबारक हो!

द क्रिएशन ऑफ होप (www.creotionofhope.com) केन्या के मबूनी जिले के एक ग्रामीण समुदाय, किकिमा में स्थित है. वो संगठन पूरे क्षेत्र में अनाथों की मदद करता है.

22,000 से कम लोगों के इस छोटे से समुदाय में 500 से अधिक अनाथ हैं. इस संकट के कई कारण हैं. इसका मुख्य कारण एचआईवी और एड्स है. अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, दुर्घटनाएं और छोड़े हुए बच्चे भी कारक हैं. जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खो दिया, उन्हें अक्सर उनके रिश्तेदार ले जाते हैं जो अक्सर खुद गरीबी में जी रहे होते हैं. ऐसे भी बहुत से बच्चे होते हैं जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं होता था, और उन्हें सड़कों पर रहने और अपनी देखभाल खुद करने के लिए छोड़ दिया जाता था.

केन्या और मबूनी जिला

मुतानो और पिल्ला

मुतानो और गाय का बाड़ा

छोटी लड़कियों का छात्रावास

आज हमारे रोलिंग हिल्स निवास में 55 बच्चे हैं. 50 से अधिक बच्चों को हाई स्कूल में पढ़ने और वहाँ रहने के लिए सहायता दी जाती है. और 300 से अधिक अनाथ और गरीब बच्चों को सहायता प्रदान की जाती है ताकि वे विस्तारित परिवार के साथ रह सकें.

ग्रामीण केन्या में पैदा हुए कई बच्चों के जन्म, कभी पंजीकृत नहीं होते हैं. यह गरीबी, अशिक्षा या यहां तक कि अंधविश्वास के कारण भी हो सकता है, क्योंकि कुछ लोगों का मानना है कि बच्चे के जन्म को रिकॉर्ड करना उनकी तकदीर को खराब करता है और इसके परिणामस्वरूप उस बच्चे की मृत्यु हो सकती है. कभी-कभी जन्म नोट किया जाता है लेकिन लिखा नहीं जाता है, और समय बीतने या माता-पिता के खोने के साथ, लोग जन्म की तारीख भूल जाते हैं.

हमारे कार्यक्रम में बहुत से बच्चे अपना सही जन्म दिन नहीं जानते हैं. कई बार वे जन्म का महीने या साल तक नहीं जानते हैं. हालांकि बच्चों को उनके जन्मदिन पर विशेष उपहार देना एक आम रिवाज लग सकता है, लेकिन दुनिया भर में कई अनाथों के लिए ऐसा नहीं होता है. उनका जन्मदिन बिना किसी उल्लेख या उत्सव के बीत जाता है.

लूट के थैलों के साथ जश्न

कनिनि, अर्थ है "छोटी बच्ची"

मुएनी थम्स-अप दे रही है

जिन जगहों पर इतने सारे अनाथ बच्चे होते हैं, वहां उनके जीवन को अक्सर बहुत कम मूल्य के रूप में देखा जाता है. लोग उन बच्चों से मुंह मोड़ लेते हैं, क्रूरता से नहीं, बल्कि इसलिए कि संसाधन बहुत कम और जरूरतें बहुत ज़्यादा होती हैं.

हम चाहते थे कि हमारे अनाथालय के बच्चे खुद को मूल्यवान समझें और जानें कि उनका जन्म मायने रखता है. इसलिए, हमने एक जन्मदिन की पार्टी आयोजित करने का फैसला किया. हमारे सभी बच्चों के लिए साल में एक बार उत्सव हो, चाहे वे अपनी जन्मतिथि जानते हों या नहीं. हम चाहते थे कि प्रत्येक बच्चे का एक जन्मदिन हो, और हम चाहते थे कि वो दिन एक खुशी का उत्सव बने!

हमारी पहली बर्थडे पार्टी 2011 में 54 अनाथों के लिए आयोजित की गई थी. 2015 में, यह 115 अनाथ और अन्य बच्चों तक बढ़ गई और फिर हमने कुल 157 बच्चे एक साथ जन्मदिन मनाया!

पार्टी में प्रत्येक बच्चे को एक लूट बैग मिला. वो बैग, पेन और पेंसिल, स्कूली किताबें, स्टिकर, एक कहानी की किताब, रुई के भरे जानवरों, मोजे, एक टी-शर्ट और अन्य खेल के उपहारों से भरा था. प्रत्येक बच्चे को एक गुब्बारा और एक पार्टी टोपी भी मिला और कभी-कभी फूंककर शोर करने वाली पीपनी, पार्टी के मुखौटे और साबुन के बुलबुले बनाने वाले खिलोने भी.

केय केक देते हुए

उत्सव

और साथ में केक भी! सिर्फ जन्मदिन मनाने वालों के लिए नहीं, केक सभी के लिए होता है - चचेरे भाई, दादा-दादी, चाची-चाचा, अभिभावक और आगंतुकों सब के लिए. केक अनाथालय के कर्मचारियों द्वारा हमारे निवास के ओवन में ही बनाए जाते थे - वो पूरे जिले में अपने जैसा अकेला ओवन था!

सभी के लिए केक

मवौ की मुस्कान

शायद सबसे महत्वपूर्ण उपहार बाद में क्या आता है. कर्मचारी यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक बच्चे को सरकार द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र मिले जो या तो उनका असली जन्मदिन हो या वो दिन, जिसे उन बच्चों के जन्मदिन के रूप में तय किया गया है. जन्म प्रमाण पत्र के साथ, बच्चे आधिकारिक बन जाते हैं. फिर सरकार उन्हें नागरिकों के सभी अधिकारों के साथ, वास्तविक लोगों के रूप में स्वीकार करती है.
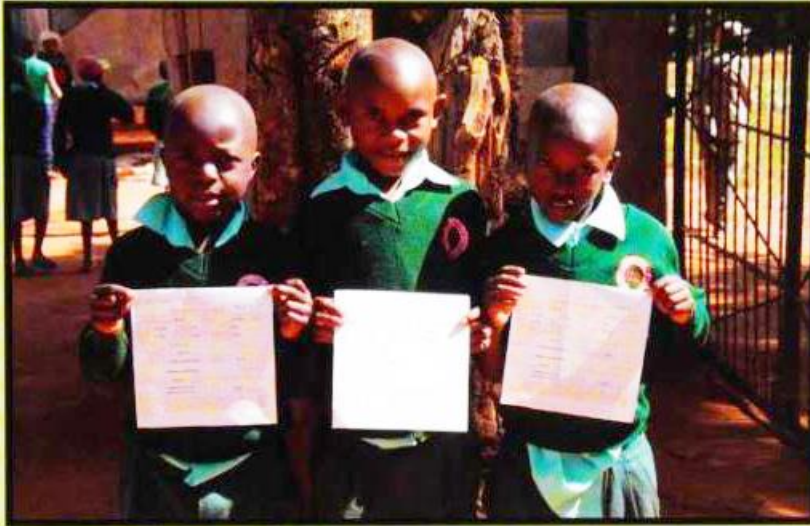
एरिक, किलिंडा और किलौज़ो गर्व से
अपना जन्म प्रमाण पत्र दिखा रहे हैं

मुतानो उन कई अनाथों में से एक है जिसके पास अब जन्मदिन और जन्म प्रमाण पत्र है, और वो हर साल 12 जुलाई को अपने जन्मदिन की प्रतीक्षा करती है.

"द क्रिएशन ऑफ होप" के बच्चों को जन्मदिन की बधाई! तुम्हारा जन्म सबके लिए उत्सव का कारण है!